भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2101
4 अगस्त, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

तटरेखा का कटाव

2101. श्री एम.शनमुगम:
श्री वाइकोः

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय भूभाग के तटरेखा के कटाव का ब्यौरा क्या है और इस कटाव के कारण कितने प्रतिशत भारतीय भूभाग का नुकसान हुआ;
(ख) क्या देश की संपूर्ण तटरेखा के लिए तटीय संवेदनशीलता सूचकांक (सीवीआई) के मानचित्रों की एक एटलस तैयार की गई है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या 15वें वित्त आयोग ने राष्ट्रीय और राज्य आपदा जोखिम प्रबंधन कोष, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एक शमन कोष और एक मोचन कोष भी शामिल होगा, बनाने की सिफारिश की है; और
(ङ) यदि हां, तो देश में भविष्य में होने वाले समुद्र तट रेखा के कटाव के प्रभाव को कम करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (NCCR) रिमोट सेंसिंग डेटा तथा GIS मैपिंग तकनीकों का प्रयोग करते हुए वर्ष 1990 से तटरेखा क्षरण की मॉनिटरिंग कर रहा है। वर्ष 1990 से लेकर 2018 तक भारत की मुख्य भूमि की कुल 6907.18 किमी लम्बी भारतीय तटरेखा का विश्लेषण किया गया है। यह देखा गया है कि पिछले 28 वर्षों से 33.6% तटरेखा में अलग-अलग स्तर का क्षरण हो रहा है। 1990-2018 के दौरान क्षरण का राज्य-वार विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

1990 – 2018					
क्रम सं.	राज्य		तट की लंबाई (किमी में)	तट की लंबाई (किमी)	
				क्षरण	
				किमी	%
1	पश्चिम तट	गुजरात	1945.6	537.5	27.6
2		दमन एवं दीव	31.83	11.02	34.6
3		महाराष्ट्र	739.57	188.26	25.5
4		गोवा	139.64	26.82	19.2

5		कर्नाटक	313.02	74.34	23.7
6		केरल	592.96	275.33	46.4
7	पूर्व तट	तमिलनाडु	991.47	422.94	42.7
8		पुडुचेरी	41.66	23.42	56.2
9		आंध्र प्रदेश	1027.58	294.89	28.7
10		ओडिशा	549.5	140.72	25.6
11		पश्चिम बंगाल	534.35	323.07	60.5
कुल			**6907.18**	**2318.31**	
%				**33.6**	

(ख) जी, हां।

(ग) इंकॉइस ने भारतीय तट के समानांतर समुद्र के स्तर में वृद्धि के संभावित प्रभावों का आकलन करने के लिए तटीय संवेदनशीलता सूचकांक मानचित्रण किया है। इस क्रियाकलाप ने सात सूचना मापदण्डों का प्रयोग करते हुए मानचित्र सृजित किए हैं: तटरेखा में परिवर्तन की दर, समुद्र स्तर में परिवर्तन की दर, तटीय ऊंचाई, तटीय ढलान, तटीय भू-आकृति विज्ञान, महत्वपूर्ण लहर ऊंचाई और ज्वारीय सीमा। 1:1 लाख के पैमाने पर संपूर्ण भारतीय तट के 156 मानचित्र तैयार करके एक एटलस 2012 में जारी की गई थी।

(घ) जी, हां। 15वें वित्त आयोग ने 2021-22 से 2022-26 तक की निर्णय अवधि के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर (NDMF / SDMF) पर शमन कोष तथा राष्ट्रीय और राज्य स्तर (NDRF / SDRF) पर प्रतिक्रिया कोष को शामिल करते हुए राष्ट्रीय आपदा जोखिम प्रबंधन कोष (NDRMF) और राज्य आपदा जोखिम प्रबंधन कोष (SDRMF) सृजित करने की सिफारिश की थी।

(ङ) वित्त आयोग ने एनडीएमएफ के तहत 'कटाव की रोकथाम के लिए शमन उपायों'तथा NDRF के तहत 'कटाव से प्रभावित विस्थापित लोगों के पुनर्वास'के लिए विशिष्ट सिफारिशें भी की हैं। इन कोषों के संचालन के लिए,आयोग ने यह भी सुझाव दिया है कि NDMA और/या गृह मंत्रालय कटाव की रोकथाम के लिए शमन उपायों हेतु उपयुक्त मानक तैयार करे तथा केन्द्र एवं राज्य सरकारें, दोनों ही तटीय और नदी कटाव के कारण बडी संख्या में विस्थापित लोगों के के लिए एक नीति तैयार करे। वर्तमान में, एनडीएमए में शमन उपायों के लिए उपयुक्त मानक तैयार करने तथा बडी संख्या में विस्थापित लोगों के के लिए नीति तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

*****